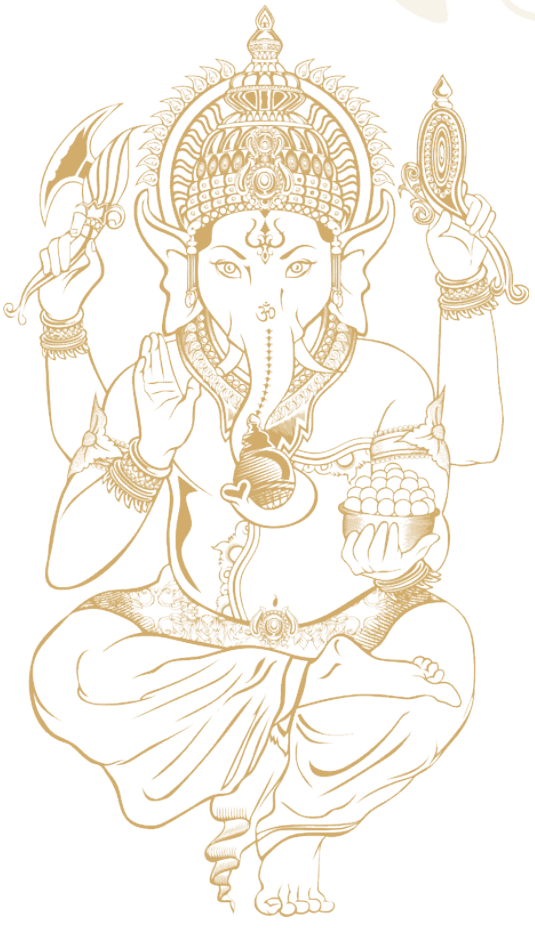

Yogendar

Rachna

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121097403

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
11-12/09/1999 :	जन्म तिथि	: 12/08/2000
शनि-रविवार :	दिन	: शनिवार
घंटे 05:15:00 :	जन्म समय	: 14:10:00 घंटे
घटी 57:50:17 :	जन्म समय(घटी)	: 20:42:48 घटी
India :	देश	: India
Alwar :	स्थान	: Gurgaon
27:32:00 उत्तर :	अक्षांश	: 28:27:00 उत्तर
76:35:00 पूर्व :	रेखांश	: 77:01:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:40 :	स्थानिक संस्कार	: -00:21:56 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:06:53 :	सूर्योदय	: 05:49:50
18:32:27 :	सूर्यास्त	: 19:03:28
23:50:57 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:51:42

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 2वर्ष 8मा 0दि		12:35:32	सिंह	लग्न	वृश्चि	13:41:14	शुक्र 2वर्ष 9मा 28दि	
राहु		24:56:27	सिंह	सूर्य	कर्क	26:04:39	मंगल	
13/05/2009		19:46:32	कन्या	चंद्र	धनु	24:46:54	11/06/2019	
14/05/2027		12:00:09	वृश्चि	मंगल	कर्क	13:26:03	11/06/2026	
राहु	24/01/2012	27:57:51	सिंह	बुध	कर्क	15:50:54	मंगल	07/11/2019
गुरु	19/06/2014	10:36:28	मेष व	गुरु	वृष	13:47:43	राहु	25/11/2020
शनि	25/04/2017	24:57:25	कर्क	शुक्र	सिंह	13:03:37	गुरु	31/10/2021
बुध	12/11/2019	23:11:01	मेष व	शनि	वृष	06:15:48	शनि	10/12/2022
केतु	30/11/2020	18:37:40	कर्क व	राहु	कर्क	00:42:06	बुध	07/12/2023
शुक्र	30/11/2023	18:37:40	मक व	केतु	मक	00:42:06	केतु	05/05/2024
सूर्य	24/10/2024	19:40:41	मक व	हर्ष व	मक	24:56:22	शुक्र	05/07/2025
चन्द्र	25/04/2026	08:00:40	मक व	नेप व	मक	10:54:17	सूर्य	10/11/2025
मंगल	14/05/2027	14:02:46	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	16:18:37	चन्द्र	11/06/2026

लग्न-चलित

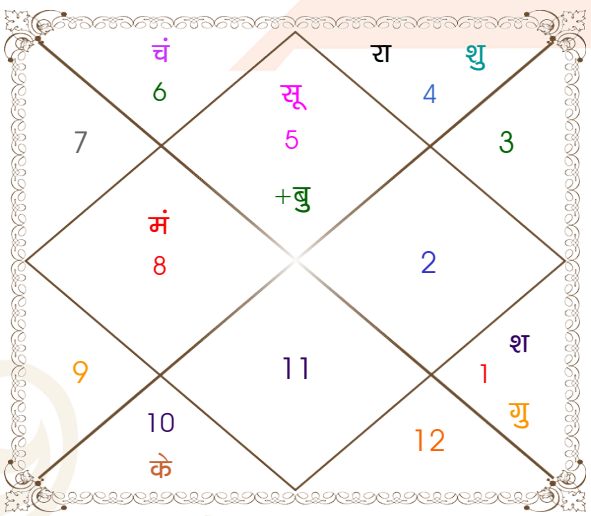

लग्न-चलित

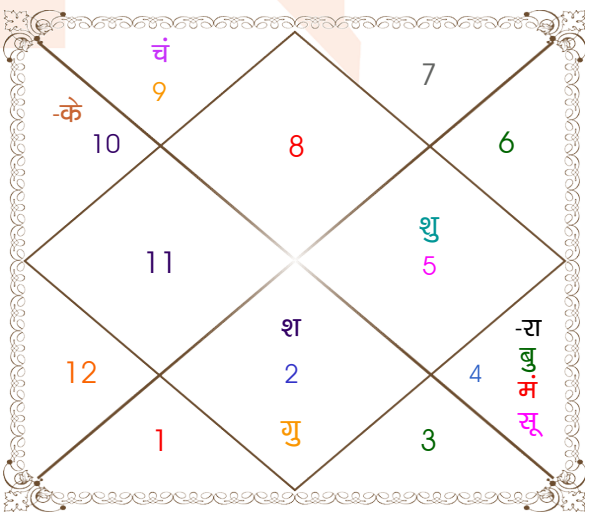

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

ल्वहमदकंत का वर्ग श्वान है तथा त्बीदं का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ल्वहमदकंत और त्बीदं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ल्वहमदकंत मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल ल्वहमदकंत कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल ल्वहमदकंत कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्बीदं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

ल्वहमदकंत तथा त्बीदं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।